THE UNIVERSITY OF CALCUTTA
REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)
HINA/HING-AECC-1-1-TH/MIL
80 अंक

अंक विभाजन :-

सभी प्रश्न बहुविकल्पीय रहेंगे । (40x 2 =80)

पाठ्यक्रम :-

- **निबंध**:

नाखून क्यों बढ़ते हैं ? - हजारीप्रसादद्विवेदी, घीसा - महादेवीवर्मा, पर्यावरणसंरक्षण - शुकदेवप्रसाद, धूमकेतु - गुणाकर मुले

- **कविताएँ**:

(i) बीती विभावरी जाग री - जयशंकरप्रसाद

(ii) पैतृकसंपत्ति (जबबापमरा...) - केदारनाथअग्रवाल

(iii) उनकोप्रणाम - नागार्जुन

(iv) होगईहैपीरपर्वतसी - दुष्यंतकुमार

(v) धार्मिकदंगोंकीराजनीति - शमशेरबहादुरसिंह

- **कहानियाँ:**

1. मंत्र - प्रेमचंद
2. भोलारामकाजीव - हरिशंकरपरसाई
3. त्रिशंकु - मन्नूभंडारी
4. पाली - यशपाल

- **पारिभाषिकशब्दावली (100 शब्द):**

1.	**Accountability**	जवाबदेही
2.	**Ad-hoc**	तदर्थ
3.	**Adjournment**	स्थगन
4.	**Adjustment**	समायोजन

5. Agenda	कार्यसूची
6. Agreement	अनुबंध
7. Allotment	आवंटन
8. Allowance	भत्ता
9. Approval	अनुमोदन
10. Authority	प्राधिकरण
11. Autonomous	स्वायत्त
12. Bonafide	वास्तविक
13. Bye-law	उप-विधि
14. Charge	प्रभार
15. Circular	परिपत्र
16. Compensation	क्षतिपूर्ति
17. Confirmation	पुष्टि
18. Consent	सहमति
19. Contract	संविदा
20. Discretion	विवेक
21. Enclosure	अनुलग्नक
22. Ex-Office	पदेन
23. Honorarium	मानदेय
24. Infrastructure	आधारभूत, संरचना
25. Memorandum	ज्ञापन
26. Modus operandi	कार्य-प्रणाली
27. Notification	अधिसूचना
28. Officiating	स्थानापन्न
29. Postponement	स्थगन
30. Proceedings	कार्यवाही
31. Record	अभिलेख
32. Retirement	सेवानिवृत्ति
33. Stagnation	गतिरोध
34. Verification	सत्यापन

व्यावसायिक, वाणिज्यिकएवंसंचार-माध्यमसंबंधीशब्दावली

35. Account	लेखा/खाता
36. Accountant	लेखपाल
37. Adjustment	समायोजन
38. At-par	सममूल्यपर
39. Audio-Visual display	दृश्य-श्रव्यप्रदर्श
40. Audit	लेखा-परीक्षा
41. Audition	स्वर/ध्वनिपरीक्षण
42. Auditorium	प्रेक्षागृह
43. Authentic	प्रामाणिक
44. Back dated	पूर्व-दिनांकित
45. Bail	जमानत
46. Bank-Guaranty	बैंकप्रत्याभूति
47. Bearer	वाहक
48. Cash Balance	रोकड़बाकी
49. Clearing	समाशोधन
50. Commission	दलाली
51. Confiscation	अधिहरण
52. Convertible	परिवर्तनीय
53. Currency	मुद्रा
54. Current	चालूखाता
55. Divident	लाभांश
56. Documentation	प्रलेखन
57. Endorsement	बंदोबस्ती
58. Exchange	विनिमय
59. Finance	वित्त
60. Fixed Deposit	सावधिजमा
61. Forfeiture	जब्ती

62. Guaranty	प्रत्याभूति
63. Indemnity Bond	क्षतिपूर्तिबंध
64. Insolvency	दिवाला
65. Investment	निवेश
66. Lease	पट्टा
67. Long term credit	दीर्घावधिउधार
68. Lumpsum	एकमुश्त
69. Mobilisation	संग्रहण
70. Moratorium	भुगतान-स्थगन
71. Mortgage	गिरवी
72. Output	उत्पादन
73. Outstanding	बकाया
74. Payable	देय
75. Payment	भुगतान
76. Progressive-note	रुक्का/हुण्डी
77. Realization	वसूली
78. Recommendation	संस्तुति
79. Rectification	परिशोधन
80. Recurring	आवर्ती
81. Redeemable	प्रतिदेय
82. Renewal	नवीकरण
83. Revenue	राजस्व
84. Sensex	शेयरसूचकांक
85. Security	प्रतिभूति
86. Short-term credit	अल्पावधिउधार
87. Squeeze	अधिसंकुचन
88. Sur-charge	अधिभार
89. Suspense Account	उचंतलेखा
90. Trade Mark	मार्का
91. Transaction	लेनदेन

92. Transfer	अंतरण
93. Turn over	पण्यावर्त
94. Undervaluation	अल्पमूल्यांकन
95. Validity	वैधता
96. Vault	तहखाना
97. Warranty	आश्वस्ति
98. Withdrawal	आहरण
99. Working Capital	कार्यशीलपूंजी
100. Winding up	समेटना

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

B.A. HINDI

CORE COURSE (CC) / GENERIC ELECTIVE(GE)

HING-CC /GE

अंक विभाजन (सभी 4 प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

पत्र विभाजन :-

प्रथम सेमेस्टर : पत्र 1
द्वितीय सेमेस्टर : पत्र 2
तृतीय सेमेस्टर : पत्र 3
चतुर्थ सेमेस्टर : पत्र 4

*(प्रति सेमेस्टर अवधि : 06 महीने)

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न 2 x 15 अंक = 30
आलोचनात्मक/ व्याख्या 2 x 10 अंक= 20
टिप्पणी 3 x 5 अंक = 15

कुल योग =65 अंक

पाठ्यक्रम

HIN-G-CC-1-1-TH(TU)

1. हिंदीसाहित्य काइतिहास

कालविभाजन एवंनामकरण, आदिकालीनकाव्य धाराएँ –सिद्ध, नाथ एवंजैनसाहित्य, प्रमुख रासोकाव्य, आदिकालीनहिन्दीसाहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

भक्तिआन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिकपृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुणकवि, प्रमुख सगुणकवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथारीतिमुक्तकवि।

1857 का स्वतंत्रतासंघर्षऔरहिन्दीनवजागरण, भारतेन्दु युगीनसाहित्य की विशेषताएँ, महावीरप्रसाद द्विवेदीऔरउनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखकऔरकवि, मैथिलीशरणगुप्तऔरराष्ट्रीय काव्यधारा।हिन्दीमें गद्य विधाओंकाउद्भवऔरविकास–उपन्यास, कहानी, नाटक,

अनुमोदित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास रामचंद्र शुक्ल -
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी -
3. हिंदी साहित्य की भूमिका आचार्य हजारी -प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का आलोचनातमक इतिहास रामकुमार वर्मा .डॉ -
5. हिंदी साहित्य का इतिहास नगेन्द्र .डॉ .सं -
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी -
7. हिंदी साहित्य का अतीत भाग आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - 2-
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय .डॉ -
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह .डॉ -
10. हिंदी का गद्य साहित्य रामचन्द्र तिवारी .डॉ -
11. हिंदी साहित्य का इतिहास राम सजन पाण्डेय .डॉ -
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय -
13. लोक साहित्य की भूमिका कृ .डॉ -ष्णदेव उपाध्याय
14. लोक साहित्य विमर्श .डॉश्याम परमार -

HIN-G-CC-2-2-TH(TU)

2. मध्यकालीनहिंदीकविता

1. **कबीरदास**

पद- संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे; पानी बिच मेन पियासी, मन न रंगाए रंगाए जोगी कापरा, अरे इन दोहुन राह न पाई; एक अचंभा देखा रे भाईठाढ़ा सिंह चरावे गाई ,गगन घाटा घहरानी स्सधों गगन घटा घहरानी ।

2. **सूरदास**

पद-अबिगत गति कछु कहत न आवै; जौं लौं मन कामना न छूटै; जसोदा हरि पालनैं झुलावैं; किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत; खेलत मैं काकौ गुसैंयाँ; मैया हौं न चरैहों गाई; बूझत स्याम कौन तू गोरी; बिनु गुपाल बैरनि भइ कुंजैं; ऊधौ धनि तुम्हारौ व्यवहार;

3. **तुलसीदास**

पद - ऐसी मूढ़ता या मन की; जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे; अबलौं नसानीअब न नसैहों ,; माधव मों समान जग माहीं; ऐसो को उदार जग माहीं; रघुपतिभगति करत कठिनाई-; कबहुँक हौं यह रहनि रहौंगो; जाके प्रिय न राम बैदेही।

4. **मीराबाई**

पद- यहि विधि भगति कैसे होय; मैं तो साँवरे के रंग राँची; मैं तो गिरघर के घर जाऊँ; हेरी मैं तो दरद दिवाणीमेरो दरद न जाने कोय-; कोई कहियो रे प्रभु आवन की; किण संग खेलूँ होली; म्हारो जणमरानी-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन-; पग घुँघरु बाँधी मीरा नाची रे।

5. **रसखान**

पद-मानुस हौं तो वही रसखान,मोरपखा मुरली संभाल,फागुन लाग्यो सखि जब तें,कंचन मदिर ऊंचे बनाई के,सोहट है चंदवा सिर मोर को ,कान्ह भए बस बांसुरी के,

6. **बिहारी**

पद-अजौं तरौना ही रह्यौ; अरुनचरन-कर-सरोरुह-; इन दुखिया अँखियान कौ; कर समेटिकच भुज - उलटि; करौ कुबत जगकुटिलता-; या अनुरागी चित्त की; जप मालाछापा तिलक ,नहिं पराग नहिं मधुर मधु; कहत नटत रीझतखिझत-;बतरस लालच लाल की; अनियारे दीरघ दृगनि;

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दस
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पाण्डेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस
- मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली रामकिशोर शर्मा .डॉ (.-
- बिहारी प्रकाश - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र .सं
- रहीम - सं . विद्यानिवास मिश्र

अनुमोदित ग्रंथ –

हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय- पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर

हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि गोविन्द त्रिगुणा .डॉ -यत

कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर

कबीर साहित्य का अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी

कबीर -संबासुदेव सिंह .

भक्ति आंदोलन का अध्ययन -रतिभानु सिंह नाहर

तुलसी की साहित्य साधना -डॉलल्लन राय .

तुलसी -डॉउदय भानु सिंह .

तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित

गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी

भक्ति आंदोलन और सूदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास -नंद दुलारे वाजपेयी

सूरदास -संहर .वंश लाल शर्मा

सूरदास -ब्रजेश्वर वर्मा

मीरा का काव्य -डॉविश्वनाथ त्रिपाठी .

मीरा की काव्य कला - देशराज सिंह भाटी

मीराबाई भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन भगवानदास -तिवारी

बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह

बिहारी सतसई का पुनर्पाठ -रामदेव शुक्ल

हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और महाकवि बिहारी - इन्द्रनाथ मदान

मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी -डॉरामसागर त्रिपाठी .

HIN-G-CC-3-3-TH(TU)

3. आधुनिकहिंदीकविता

1.**भारतेन्दु हरिश्चन्द्र**

नए जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)

2. **मैथिलीशरणगुप्त**

   यशोधरा महाभिनिष्क्रमण)

3. **जयशकं र प्रसाद**

   हिमाद्रि तुंग शृंग से; अरुण यह मधुमय देश हमारा; तुम कनक किरण के अन्तराल में; उठउठ - लघु लोल लहर-री लघु; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; ले चल वहाँ भुलावा देकर;

4. **सूर्यकातं त्रिपाठीनिराला**

   संध्यासुंदरी-; तुम और मैं; अधिवास; जागो फिर एक बार2-; गहन है यह अंधकारा; स्नेह निर्झर बह गया है; ध्वनि ; दगा की;

5. **सच्चिदानंदहीरानंदवात्स्यायन 'अज्ञेय'**

   यह दीप अकेला; मैं वहाँ हूँ; कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; एक बूँद सहसा उछली; हरी घास पर क्षण भर;

6. **नागार्जुन**

   बादल को घिरते देखा है; प्रतिबद्ध हूँ; अकाल और उसके बाद; घिन तो नहीं आती; बहुत दिनों के बाद; शासन की बंदूक;

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

1. यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त
2. भारतेन्दु समग्र : सं. नागरी प्रचारिणी सभा
3. काव्योपवन : हरिऔध
4. लहर : जयशंकर प्रसाद
5. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
6. परिमल : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
7. नये पत्ते : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
8. राग विराग-: संरामविलास शर्मा .
9. अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
10. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन

अनुमोदित ग्रंथ -

1. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य कमलाकांत पाठक .डॉ -
2. यशोधरा का काव्य सौंदर्यदुर्गाशंकर मिश्र -
3. गुप्त जी की काव्यधारा : गिरिजा दत्त शुक्ल
4. कविवर प्रसाद आँसू तथा अन्य कृतियाँ ,: विनय मोहन शर्मा
5. छायावाद : नामवर सिंह
6. प्रसाद का काव्य : डॉप्रेम शंकर .
7. कवि प्रसाद एक अध्ययन : रामरतन भटनागर
8. निराला की साहित्य साधना 2-भाग-: रामविलास शर्मा
9. नवजागरण और छायावाद : महेन्द्रनाथ राय
10. निराला काव्य की छवियाँ : नंद किशोर नवल
11. निराला काव्य के आयाम : डॉइन्द्रराज सिंह .
12. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
13. महादेवी : इन्द्रनाथ मदान (.सं)
14. महादेवी : दूधनाथ सिंह
15. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : डॉरामस्वरूप चतुर्वेदी .
16. नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
17. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : रामकमल राय

HIN-G-CC-4-4-TH(TU)

4. हिंदी गद्य साहित्य

1. **उपन्यास** : त्यागपत्र – जैनेन्द्रकुमार
2. **कहानी** : नमककादारोगा– प्रेमचंद
   आकाशदीप– जयशंकरप्रसाद
   परदा– यशपाल
   वापसी– उषाप्रियंवदा
3. **निबंध** : लोभऔरप्रीति– रामचंद्र शुक्ल
   कुटज– हजारीप्रसाद द्विवेदी

.....

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA
B.A. (General) HINDI
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSE)
HING-DSE

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहतउत्तरीय	प्रश्न 2 x 15 अंक	= 30
	1x 10 अंक	= 10
टिप्पणी	5x 5 अंक	= 25
	कुल योग	=65

Semester 5

(निम्नलिखित में से कोई एक पाठ्यक्रम)

Group A

1. लोकसाहित्य
2. छायावाद

Semester 6

(निम्नलिखित में से कोई एक पाठ्यक्रम)

Group B

3. राष्ट्रीय काव्यधारा
4. प्रेमचंद

HIN-G-DSE-1 -5-TH(TU)

1. लोकसाहित्य

- लोकऔरलोकवार्ता, लोकसंस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ताऔरलोकसंस्कृति,
- लोकसंस्कृतिऔरसाहित्य, साहित्य औरलोककाअंतःसंबंध, लोकसाहित्य का
- अन्य सामाजिकविज्ञानोंसेसंबंध, लोकसाहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारतमेंलोकसाहित्य के अध्ययन काइतिहास, लोकसाहित्य के प्रमुख रूपोंका
- वर्गीकरण।लोकगीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड,
- तमाशा, नौटंकी।हिन्दीलोकनाट्य की परम्परा एवंप्रविधि। हिन्दीनाटक एवंरंगमंच
- परलोकनाट्योंकाप्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ औरअंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोकसंभाषितमुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवंलोकसंगीत।

2. छायावाद

- जयशंकरप्रसाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- सुमित्रानंदनपंत
- महादेवीवर्मा
  (उपर्युक्त कवियों की चयनितरचनाएँ विश्वविद्यालय अपनीअपेक्षा के अनुरूपपाठ्यक्रममें रख सकते हैं।)

HIN-G-DSE-2 -6-TH(TU)

3. राष्ट्रीय काव्यधारा

- मैथिलीशरणगुप्त
- माखनलालचतुर्वेदी
- सोहनलाल द्विवेदी
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
  (उपर्युक्त कवियों की चयनितरचनाएँ विश्वविद्यालय अपनीअपेक्षा के अनुरूपपाठ्यक्रममें रख सकते हैं।

5. प्रेमचंद

- उपन्यास–सेवासदन
- नाटक–कर्बला
- निबंध –साहित्य काउद्देश्य
- कहानियाँ –पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, दोबैलों की कथा।

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A. (GENERAL) HINDI

Language Core Course 2 / MIL

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

HIN-G-LCC2(1)-4-1-TH(TU)

1. हिंदीव्याकरणऔरसम्प्रेषण

- हिंदीव्याकरण एवंरचना–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं
- अव्यय कापरिचय।उपसर्ग, प्रत्यय तथासमास।पर्यायवाची शब्द,
- विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य
- शुद्धि, मुहावरेऔरलोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- संप्रेषण की अवधारणाऔरमहत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवंचर्चा : प्रक्रिया एवंबोध
- साक्षात्कार, भाषणकला एवंरचनात्मकलेखन

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

व्याकरण	= 30 अंक
भाव पल्लवन / संक्षेपण	= 10 अंक
रचनात्मक लेखन	= 10 अंक
टिप्पणी / परिभाषा 3 x 5	=15 अंक

कुल योग = 65 अंक

HIN-G-LCC2(2)-6-2-TH(TU)

2. हिंदीभाषाऔरसम्प्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवंविविध रूप
- हिंदीभाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवंअव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एंवव्यंजन।
- स्वर के प्रकार–ह्रस्व, दीर्घतथासंयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार–स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोषतथाअघोष।
- वर्णोंकाउच्चारणस्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथादन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतानतथासंधि।
- भाषासंप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचनतथालेखन।
- हिंदीवाक्य रचना, वाक्य औरउपवाक्य।वाक्य भेद।वाक्य का रूपान्तर।
- भावार्थऔरव्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहतउत्तरीय 2 x 10 = 20 अंक
पत्र लेखन = 10 अंक
भावार्थ = 10 अंक
टिप्पणी 5 x 5 =15 अंक

कुल योग = 65 अंक

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A.(GENERAL) HINDI

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

HING-SEC

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 80 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

	कुल योग-	100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न	2 x 15 अंक = 30
व्यावहारिक प्रश्न	3 x 10 अंक = 30
टिप्पणी	4 x 5 अंक = 20

	कुल योग =80

Semester 3 or 5

(निम्न में से छात्र किसी एक पत्र को चुने):-

1. विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग
2. साहित्य और हिंदी सिनेमा

Semester 4 or 6 -

(निम्न में से छात्र किसी एक पत्र को चुने) :-

3. अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि
4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

HINA/HING-SEC-A-3/5-1-TH

1 विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग

- विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार,
- विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त।
- विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज।
- उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की
- भूमिका।
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।
- विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)।
- विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।

2.साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा,
- मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :
- आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
- 1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
- 1970 से 1990 : गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।

- 1990 से अद्यतन : तारे ज़मीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

HINA/HING-SEC-B-4/6-2-TH

3. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व।
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद।
- अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष – पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
  क. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद – हंस कुमार तिवारी
  ख. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद
- 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

- माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भाषा–प्रयोग : लेखन, सम्पादन और प्रसारण का संदर्भ। रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा एवं वीडियो का व्याकरण एवं भाषिक वैशिष्ट्य।
- भाषा–प्रयोग : परिचय, संगीत, संलाप एवं एकालाप, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कथन, सहप्रयोग। श्रव्य–माध्यम और भाषा की प्रकृति, तान–अनुतान की समस्या, ध्वनि प्रभाव और निःशब्दता, मानक उच्चारण, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तिकरण।
- दृश्य–श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, सिनेमाई भाषा और संवाद की अदायगी।
- रेडियो–लेखन : रेडियो पत्रिका, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन। एफ.एमबैण्

ड पर प्रसारणार्थ शैक्षिक–सामग्री का सृजन।

- टेलीविजन–लेखन : समाचार, धारावाहिक, चर्चा–परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संरचना और प्रस्तुति।
- सिनेमा : 'सुजाता', 'शतरंज के खिलाड़ी' जैसी फिल्मों के बहाने हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा पर विचार। फिल्म–समीक्षा लेखन।